राजस्थान के परमवीर चक्र वजिता शैतान सहि के नाम पर अंडमान नकिोबार का द्वीप, पीएम नरेंद्र मोदी ने कयाि नामकरण

चर्चा में क्यों ?

23 जनवरी, 2022 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती (पराक्रम दविस) के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में सबसे बड़े सैन्य अलंकरण परमवीर चक्र के 21 वजिताओं के नाम पर अंडमान और नकिोबार द्वीप समूह के 21 बड़े अज्ञात द्वीपों का नामकरण कयाि। इस सूची में राजस्थान के परमवीम चक्र वजिता मेजर शैतान सहि का नाम भी शामलि हैं।

प्रमुख बदि

- जोधपुर में एक दसिंबर 1924 को जन्मे शैतान सहि के पतिा हेम सहि भाटी भारतीय सेना में लेफ्टनिेंट कर्नल थे। पतिा से वरिासत में मलिी बहादुरी और देश प्रेम के जज्बे के साथ जोधपुर स्टेट फोर्स के इस जांबाज ने एक अगस्त 1949 में कुमाऊँ रेजीमेंट में तैनाती ली। 1962 में शैतान सहि पदोन्नत होकर मेजर नयिुक्त कयिे गए।
- 18 नवंबर, 1962 को भारत-चीन युद्ध में लद्दाख की चुशुल घाटी में 13 कुमाऊँ रेजीमेंट के लगभग 120 जवानों की टुकड़ी की अगुवाई करते हुए मेजर शैतान सहि ने रेजांगला में मोर्चा सँभाला और अपनी टुकड़ी के साथ खुद के दम पर 1300 चीनी सैनकिों को मार गरिाया था।
- इनके बारे में बताया जाता है कमिशीनगन को रस्सी से पैरों में बांधकर इस वीर सपूत ने दुश्मन सेना से लोहा लयिा। आखरि में अपना सर्वोच्च बलदािन देकर हमेशा के लयिे अमर हो गए।
- बर्फ से ढके उस क्षेत्र में तीन महीने बाद मेजर शैतान सहि का शव शलिाखंड के पीछे उसी स्थान पर मलिा था, जसिे जोधपुर ले जाया गया और पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतमि संस्कार कयिा गया। मेजर शैतान सहि को उनके अदम्य साहस, नेतृत्व और कर्तव्य के प्रतिअनुकरणीय समर्पण के लयिे सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पदक परमवीर चक्र से सम्मानति कयिा गया।
- उल्लेखनीय है कअिंडमान और नकिोबार द्वीप समूह के ऐतहिासकि महत्त्व को ध्यान में रखते हुए तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृतिको सम्मान प्रदान करने के लयिे वर्ष 2018 में अंडमान नकिोबार द्वीप समूह की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने रॉस द्वीप समूह का नाम बदलकर 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप'रख दयिा था। नील द्वीप और हैवलॉक द्वीप का नाम बदलकर 'शहीद द्वीप'और 'स्वराज द्वीप'कर दयिा गया था।
- देश के वास्तवकि जीवन के नायकों को उचति सम्मान देने के उद्देश्य से इस द्वीप समूह के 21 बड़े अज्ञात द्वीपों का नामकरण 21 परमवीर चक्र वजिताओं के नाम पर करने का नरि्णय लयिा गया है।
- पहले बड़े अज्ञात द्वीप का नाम पहले परमवीर चक्र वजिता के नाम पर, दूसरे बड़े अज्ञात द्वीप का नाम दूसरे परमवीर चक्र वजिता के नाम पर रखा गया है और इसी तरह अन्य द्वीपों का नाम रखा गया है।
- इन द्वीपों का नाम जनि 21 परमवीर चक्र वजिताओं के नाम पर रखा वे हैं - मेजर सोमनाथ शर्मा; सूबेदार और मानद कैप्टेन (तत्कालीन लांस नायक) करम सहि, एम.एम; सेकेंड लेफ्टनिेंट राम राघोबा राणे; नायक जदुनाथ सहि; कंपनी हवलदार मेजर पीरू सहि; कैप्टन जीएस सलारयिा; लेफ्टनिेंट कर्नल (तत्कालीन मेजर) धन सहि थापा; सूबेदार जोगदिर सहि; मेजर शैतान सहि; सीक्यूएमएच अब्दुल हमीद; लेफ्टनिेंट कर्नल अर्देशरि बुर्जोरजी तारापोर; लांस नायक अल्बर्ट एक्का; मेजर होशयिार सहि; सेकेंड लेफ्टनिेंट अरुण खेत्रपाल; फ्लाइंग ऑफसिर नरि्मलजीत सहि सेखों; मेजर रामास्वामी परमेश्वरन; नायब सूबेदार बाना सहि; कैप्टेन वक्रिम बत्रा; लेफ्टनिेंट मनोज कुमार पांडे; सूबेदार मेजर (तत्कालीन राइफलमैन) संजय कुमार; और सूबेदार मेजर सेवानवृित्त (मानद कैप्टेन) ग्रेनेडयिर योगेंद्र सहि यादव।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/andaman-and-nicobar-island-named-after-paramveer-chakra-winner-shaitan-singh-of-rajasthan